कौन बनेगा शुभ कल लीडर

जलवायु परिवर्तन पर खेला गया विश्व का पहला'रूरल रीयलिटी शो'

प्रसारण रेडियो बुन्देलखण्ड पर

● अनुजा

कोर कमेटी का प्रशिक्षण, शो लांच का प्रेस कांफ्रेंस, गांव में समुदाय को जानकारी देती रेडियो बुन्देलखण्ड टीम, पुरस्कृत विजेता

''नमस्कार नमस्कार नमस्कार.....! भैया बज गए हैं, संझा के 6 अउर आप से बतियावै के लाने आय गये हैं आपके अपने प्यारे से दोस्त प्राची और रामपाल लेके आपको प्यारो सो कार्यक्रम 'शुभ कल'। तो रामपाल भैया आज अपन अपने साथियों के लिए का लाए ई कार्यक्रम में ? आज तो प्राची हम कुछ नाई बोलेंगे जौ भी बोलिहैं वो बोलिहैं अपनी 'बहरो भौजी'।''

ये बहरो भौजी हैं रेडियो बुन्देलखण्ड पर प्रसारित होने वाले **शुभ कल** कार्यक्रम की एक किरदार जो जलवायु परिवर्तन से निपटने, उसके लिए तैयार होने और उसे रोकने की मुहिम में अपना योगदान देने के लिए अपनी देहाती बुन्देली शैली में रेडियो बुन्देलखण्ड के श्रोताओं को अनेक संदेश देती है। '**शुभ कल**' कार्यक्रम दुनिया के पहले **रेडियो रूरल रीयलिटी शो –'कौन बनेगा शुभ कल लीडर'** के बारे में लोगों को बताता है।

कल तक मेट्रो सिटीज व अन्य शहरों में जहां बिजली समय से मुहैया हो जाती है, में टेलीविजन के पर्दे से घर घर तक पहुंचने वाला रीयलिटी शो अब **ओरछा के 150 गांवों में** पहुंच चुका है। फूहड़ता से परिपूर्ण सेलीब्रिटीज़ के आपसी संबंधों के आधार पर परस्पर मानवीय संबंधों के आधार को चेक करने अथवा बच्चे बूढ़े व युवाओं में प्रतिभा की खोज में शहर दर शहर भटकने वाले अर्थहीन रीयलिटी शो से परे समय की मांग के आधार पर गढ़ा गया यह अपनी तरह का पहला अनोखा रीयलिटी शो है–**'कौन बनेगा शुभ कल लीडर'**ए जो ज़मीनी हक़ीकत और सामयिक मुद्दों से जुड़ा हुआ है।

रूरल रीयलिटी शो दुनिया का पहला ऐसा पहला रीयलिटी शो है जो ज़मीन पर गांव वालों के साथ बुन्देलखण्ड के टीकमगढ व झांसी जिले में 100 गांवों के बीच में खेला जा रहा है। बुन्देलखण्ड के 100 गांवों के 5000 लोगों को प्रतिभागियों व अन्य माध्यमों से जागरूक करने के साथ ही '**शुभ कल**' कार्यक्रम के माध्यम से ये रेडियो बुन्देलखण्ड के **3** लाख श्रोताओं तक पहुंच रहा है। इसका उद्देश्य कोरा मनोरंजन नहीं, बल्कि मनोरंजन के बहाने ग्रामीण समुदायों के साथ सार्थक पहल करने का है। खेल खेल में जलवायु परिवर्तन व उससे निपटने के उपायों के बारे में ग्रामीणों को जानकारी देकर एक नई हरित क्रान्ति का सूत्रपात करना है जिसमें जल जंगल और जमीन को बचाते हुए अपनी धरती को बचाने के प्रयास निहित है।

गत सितम्बर में **डेवलपमेंट ऑल्टरनेटिव्स** के द्वारा शुरू हुए अपनी तरह के इस अनोखे **रीयलिटी शो** में 100 गांवों से 940 लोगों ने 188 समूहों के रूप में भाग लिया। पांच ज़ोन में बंटे 100 गांवों के लोगों ने जलवायु परिवर्तन जैसे व्यापक वैश्विक मुद्दे का सामना स्थानीय समाधानों से करने के लिए 10 महीनों तक लगातार खेला। रेन वाटर हार्वेस्टिंग जोन के प्रतिभागियों ने देर से ही सही आने वाली बरसात में जहां पानी को एकत्र करने व बचाने के उपकरण निर्मित कर लिए, वहीं **अमृत मिट्टी** जैसे समाधानों से अपने खेतों की मिट्टी की उर्वरा शक्ति को पुनर्जीवित करने के लिए काम किया। महिलाओं ने अपने आंगन या पिछवाड़ें में **किचन गार्डन** लगाकर परिवार कें लिए स्वास्थ्यवर्धक हरी सब्जी को सीमित संसाधनों में प्राप्त करने तथा साथ ही आवश्यकता से अधिक उपज को बाज़ार में बेच परिवार को आर्थिक स्थिति बेहतर करने के लिए काम किया। वहीं **केंचुआ खाद** और **कृषि वानिकी** जैसे उपाय अपना कर शेष दो ज़ोन के प्रतियोगियों ने रासायनिक खाद मुक्त पौष्टिक अन्न फल की व्यवस्था की दिशा में कदम बढ़ाया।

अपने किचन गार्डन में पानी देता व देखभाल करता प्रतिभागी समूह

आज आप इन सौ गांवों के बीच चले जाइए और जलवायु परिवर्तन या पर्यावरण बदलाव के बारे में पूछिए तो आज अधिकतर लोग इस शब्द से परिचित हो चुके हैं तथा वृक्षारोपण के अलावा अन्य उपायों के बारे में भी बात करने लगे हैं। इन सौ गांवों के अतिरिक्त वे सारे गांव भी इसमें शामिल हैं जो रेडियो बुन्देलखण्ड के नियमित श्रोता हैं। रेडियो बुन्देलखण्ड की टीम लगातार इन गांवों में घूमते हुए इन प्रतियोगियों का प्रत्येक गतिविधि के लिए विशेषज्ञों से मार्ग दर्शन करवाया और शो का लाइव कवरेज मध्य प्रदेश के पहले सामुदायिक रेडियो, रेडियो बुन्देलखण्ड पर किया गया।

शुभ कल अभियान के तहत चलने वाला रूरल रीयलिटी शो अब अपने आखिरी पड़ाव पर है। **क्षेत्रीय शुभकल लीडर** चुने जा चुके हैं तथा आखिरी दौर में अंतिम विजेता को चुना जाएगा। आने वाली 27 जुलाई को इस खेल के फाइनल राउण्ड का निर्णय होगा झांसी में और उस दिन चुना जाएगा **'शुभ कल लीडर'**। समुदाय को जागरूक करने व व्यवहार परिवर्तन करने की दिशा में किए अब तक के समस्त प्रयासों में यह खेल सर्वथा अनूठा प्रयास है।

वैसे तो शुभकल के लिए जलवायु परिवर्तन के अतिरिक्त समाज के अन्य मुद्दों व पक्षों पर भी काम करना पड़ेगा परन्तु व्यापक स्तर पर होने वाले जलवायु परिवर्तन के परिणामों से आगाह करने तथा उसके साथ सामंजस्य बिठाने की दिशा में सतर्क व जागरूक होकर काम करना जरूरी इसलिए भी है कि शेष मुद्दे और आयाम तब ही आएंगे जब धरती बची रहेगी।

चौथे एलीमिनेशन राउन्ड के दौरान क्षेत्रीय शुभ कल लीडरशिप विजेताओं को पुरस्कृत करते मुख्य अतिथि व अध्यक्ष

रूरल रीयलिटी शो के प्रतिभागियों का प्रशिक्षण